

अथवा किसी दवा के प्रति किसी व्यक्ति विशेष के शरीर में अति संवेदना के कारण उत्पन्न शारीरिक या मानसिक विकार जिससे शरीर में पित्तियाँ या फफोले पैदा हो जाते हैं या त्वचा लाल होकर खुजली होती है या सांस लेने में तकलीफ होती है या बार-बार छींकें आती हैं 2. प्रत्यूर्जता 3. ला.अर्थ. किसी वस्तु, व्यक्ति के प्रति घृणा/जुगुप्सा/विकर्षण। allergy

एला स्त्री. (तत्.) 1. इलायची का पौधा, इलायची (छोटी इलायची और बड़ी इलायची इसकी दो किस्में हैं) 2. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः सगण, जगण 2. नगण और यगण (स ज न न य) के योग से 15 वर्ण होते हैं तथा 5-10 पर यति होती है। 3. शुद्ध राग का एक प्रकार पुं. (देश.) एक किस्म की कांटेदार बेल जिसकी पत्तियाँ चटनी के लिए प्रयोग की जाती हैं।

एलाउंस पुं. (अं.) प्रशा. किसी अधिकारी/कर्मचारी को वेतन के अतिरिक्त नियमित रूप से अथवा विशेष प्रयोजन से दी जाने वाली राशि यथा महँगाई भत्ता, स्थानांतरण भत्ता। allowance

एलान पुं. (अर.) सार्वजनिक घोषणा, अभिज्ञापन, मुनादी, उद्घोष।

एलॉट पुं. (अं.) आबंटन, सरकार/संस्था आदि द्वारा कोई प्लॉट, मकान, फ्लैट आदि किसी व्यक्ति विशेष के नाम करना।

एलिनवार पुं. (अं.) रसा. एक प्रकार के इस्पात का व्यापारिक नाम जिसमें 36 प्रतिशत निकिल और 12 प्रतिशत क्रोमियम होता है, इसका उपयोग मुख्यतः घड़ियों की कमानी बनाने में किया जाता है।

एलिवेटर पुं. (अं.) उत्पाक, ऊपर पहुँचने वाला, ऊँचाई पर या ऊँचाई से नीचे लाने वाला यांत्रिक साधन।

एलुआ/एलुवा पुं. (तद्.) एलवालुक औषधि के रूप में प्रयुक्त पदार्थ, कैथ का फल, बाजार में बिकने वाला "एलुवा" नामक पदार्थ प्रायः कैथ

का फल होता है जिसे अरबी में 'मुसब्बर' कहा जाता है।

एलोपैथी स्त्री. (अं.) पश्चिमी चिकित्सापद्धति या अंग्रेजी चिकित्सा पद्धति जो आजकल सर्वाधिक प्रचलित है।

एल्फा किरणें स्त्री. (ग्रीक.+तत्.) भौ. रेडियोधर्मी पदार्थों से निकलने वाली एक प्रकार की किरणें जो धनविद्युत आवेश वाली होती हैं तथा प्रकाश के वेग के दसवें हिस्से के समान वेगवाली होती हैं।

एल्यूमीनियम पुं. (अं.) हल्के सफेद रंग का एक रासायनिक धात्विक तत्व जिसका उपयोग बर्तनों और यंत्रों के पुरजे आदि बनाने में किया जाता है।

एवं अव्य. (तत्.) 1. और जैसे- राम एवं कृष्ण 2. इस प्रकार, ऐसा, जैसे- एवमस्तु।

एवंभूरुत वि. (तत्.) इस प्रकार का, ऐसा।

एवंविध वि. (तद्.) 1. इस रूप का, ऐसा 2. क्रि.वि. ऐसे, इस प्रकार, ऐसे।

एव अव्य. (तत्.) निश्चयात्मक अर्थ, ही जैसे- आप ही, केवल आप ही, वह ही, कोई अन्य नहीं जैसे- "त्वमेव माता च पिता त्वमेव" आप ही माता हो, आप ही पिता हो।

एवज पुं. (अर.) 1. बदले में, प्रतिफल, प्रतिकार 2. के स्थान पर 3. परिवर्तन।

एवजी पुं. (अर.) 1. दूसरे की जगह पर कुछ समय के लिए काम करनेवाला आदमी 2. स्थानापन्न व्यक्ति 3. किसी वस्तु या सेवा के बदले मिलने वाला जैसे- एवजी छुट्टी।

एवमस्तु अव्य. (तत्.) ऐसा ही हो, तथास्तु, प्रायः वरदान देने की भाषा में प्रयुक्त, जैसा मांगा वैसा ही प्राप्त करो उदा. एवमस्तु तुम बड़ तप कीहना -मानस.।

एवरी पुं. (देश.) हरे और पीले रंग का पत्थर जो पच्चीकारी के काम में आता है।